KANAK
की PATHशाला
LEARN TOGETHER

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

नोट्स : माँ – ईश्वर पेटलीकर

लेखक परिचय :

- **नाम** : ईश्वर पेटलीकर
- **भाषा** : गुजराती
- **रचना-क्षेत्र** : कथा साहित्य (कहानी व उपन्यास)
- **विशेषता** :
    - इनके साहित्य में **गुजरात का समाज और समय** झलकता है।
    - **नए-पुराने मूल्य, दर्शन** और **कला** का सुंदर समन्वय मिलता है।
    - कथाओं में जीवन के विविध पहलुओं का यथार्थ और संवेदनशील चित्रण मिलता है।

प्रमुख कृतियाँ :

- **प्रसिद्ध कहानी** – *खून की सगाई*
- **लोकप्रिय उपन्यास** – *काला पानी*

अन्य जानकारी :

- साहित्य के साथ-साथ **सामाजिक-राजनीतिक जीवन** में भी सक्रिय रहे।
- इनकी **दर्जनों पुस्तकें** पुरस्कृत व प्रशंसित हो चुकी हैं।
- यह कहानी गोपालदास नागर द्वारा संपादित एवं अनूदित संग्रह *"माँ"*से ली गई है।

#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

1. 'माँ' शीर्षक कहानी में किसने अपने बड़े पुत्र को घर आने के लिए पत्र लिखवाया?
(A) माँ जी ने
(B) छोटे पुत्र ने
(C) कमु ने
(D) पड़ोसी ने

2. 'खून की सगाई' किनकी प्रसिद्ध कहानी है? [2023AI]
(A) सातकोड़ी होता की
(B) ईश्वर पेटलीकर की
(C) सुजाता की
(D) साँवर दइया की

3. कौन-सा महीना 'माँ' के लिए आराध्यदेव बन गया था? [2021AI]
(A) चैत
(B) वैशाख
(C) ज्येष्ठ
(D) अगहन

4. मंगु की प्राकृतिक मौत को माँ क्या मानती थी? [2021AII]
(A) बंधन
(B) मुक्ति
(C) छुटकारा
(D) संतोष

5. 'काला पानी' किसका लोकप्रिय उपन्यास है? [2021AII]
(A) सातकोड़ी होता
(B) सुजाता
(C) साँवर दइया
(D) ईश्वर पेटलीकर

6. 'अंदर किसी को देखने जाने का नियम नहीं हैं'-यह किसने कहा? [2021AII]
(A) मेट्रन ने
(B) मजिस्ट्रेट ने
(C) परिचारिका ने
(D) डॉक्टर ने

7. मंगु को भर्ती करने के लिए माँ ने किसे पत्र लिखकर बुलवाया? [2021AII]
(A) बड़े पुत्र को
(B) छोटे पुत्र को
(C) बड़ी बहू को
(D) छोटी बहू को

8. मंगु की बड़ी बहन का क्या नाम था? [2020AI, 2021AII, 2023AI]
(A) मनु
(B) कुसुम
(C) मिनी
(D) कमु

9. ईश्वर पेटलीकर किस भाषा के कथाकार हैं। [2020AII, 2022AII, 2025AII]
(A) मलयालम
(B) मराठी
(C) गुजराती
(D) भोजपुरी

10. जन्म से ही पागल है- [2019AI]
(A) लक्ष्मी
(B) पाप्पाति
(C) सीता
(D) मंगु

11. मंगु जन्म से ही थी। [2019AII]
(A) पागल
(B) चंचल
(C) अंधी
(D) गूंगी

12. मंगु के अलावा उसकी माँ को कितनी संताने थी? [2018AI]
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) एक

13. 'माँ' कहानी किस लेखक द्वारा रचित है? [2018AII, 2025AI]
(A) श्रीनिवास
(B) सातकोड़ी होता
(C) ईश्वर पेटलीकर
(D) सुजाता

14. मंगु की माँ की कितनी संताने थी? [2018AII]
(A) दो
(B) तीन
(C) चार
(D) पाँच

15. मंगु की माँ अस्पताल के लिए किसकी उपमा देती थी? [2022AI]
(A) धर्मशाला की
(B) गौशाला की
(C) पाठशाला की
(D) नृत्यशाला की

16. ईश्वर पेटलीकर कहाँ के लोकप्रिय कथाकार हैं? [2022AI]
(A) राजस्थान के
(B) उड़ीसा के
(C) गुजरात के
(D) कर्नाटक के

17. मंगु कब से पागल है? [2022AI, 2024AI]
(A) पाँच साल से
(B) तीन साल से
(C) दो साल से
(D) जन्म से

18. पागलों के अस्पताल में उपद्रवी मरीजों को कैसे रखा जाता था? [2022AI]
(A) बाँधकर
(B) स्वतंत्र
(C) कमरे में बंदकर
(D) ऊँचे स्थान पर

19. मंगु को अस्पताल में भर्ती करने के लिए माँ के पुत्र ने किसका आर्डर प्राप्त किया? [2022AI]
(A) डॉक्टर से
(B) मजिस्ट्रेट से
(C) सिविल सर्जन से
(D) पुलिस से

20. माँ को कितनी पुत्रियाँ थीं? [2022AII]
(A) तीन
(B) चार
(C) दो
(D) पाँच

21. 'रात में रोशनी जलती रहने से इसे नींद नहीं आती' यह किसने कहा? [2022AII]
(A) भाई ने
(B) बहन ने
(C) दादी ने
(D) माँ ने

22. माँ जी किसे गौशालाओं की उपमा देती थी? [2022AII]
(A) घर को
(B) अस्पताल को
(C) विद्यालय को
(D) मंदिर को

23. कौन महीना माँ जी का आशा-भरा महीना था? [2022AI]
(A) पूस
(B) माघ
(C) अगहन
(D) कार्तिक

24. तीन गोरे निष्णात डॉक्टरों ने एकमत होकर मंगु के पागलपन का क्या निदान प्रकट किया? [2024AI]
(A) इलाज संभव है
(B) कुछ कहा नहीं जा सकता
(C) पागलपन मिटाना संभव नहीं
(D) इलाज की आवश्यकता नहीं है

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

Answer Key :

1. (A) माँ जी ने, 2. (B) ईश्वर पेटलीकर की, 3. (D) अगहन, 4. (C) छुटकारा, 5. (D) ईश्वर पेटलीकर, 6. (A) मेट्रन ने, 7. (A) बड़े पुत्र को, 8. (D) कमु, 9. (C) गुजराती, 10. (D) मंगु, 11. (A) पागल, 12. (B) तीन, 13. (C) ईश्वर पेटलीकर, 14. (C) चार, 15. (B) गौशाला की, 16. (C) गुजरात के, 17. (D) जन्म से, 18. (C) कमरे में बंदकर, 19. (B) मजिस्ट्रेट से, 20. (C) दो, 21. (D) माँ ने, 22. (B) अस्पताल को, 23. (C) अगहन, 24. (C) पागलपन मिटाना संभव नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न (Maa Kahani - Short Answer Questions)

1. माँ मंगु की श्रेणी में क्यों मिल गई? कहानी-कला की दृष्टि से कहानी का अंत कैसा है? लिखें। [2023AI]

उत्तर: माँ अपनी पुत्री **मंगु** से बहुत स्नेह करती थी क्योंकि मंगु **जन्म से ही पागल और गूंगी** थी। जब उसे पागलखाने में भर्ती कराया गया, तब उसकी देखभाल के लिए माँ की चिंता इतनी बढ़ गई कि वह स्वयं भी मंगु की श्रेणी में मिल गई। माँ को डर था कि अस्पताल में डॉक्टर, नर्स आदि सभी केवल अपना **कोरम पूरा करेंगे**. मंगु खिलाने पर ही खाती थी और बिस्तर पर पखाना-पेशाब कर देती थी, इसलिए माँ को आशंका थी कि बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और बिस्तर बदलेगा। कहानी-कला की दृष्टि से कहानी का अंत **दुखद** है, क्योंकि अंत में माँ भी मंगु की तरह व्यवहार करने लगती हैं, किन्तु यह **प्रेरणादायी** भी है. यह अंत माँ के अपार **मातृत्व स्नेह** और अपनी असहाय बच्ची के प्रति **समर्पण** को दर्शाता है।

2. माँ कहानी के लेखक का क्या नाम हैं, वह कहाँ के रहने वाले थे। [2021AII]

उत्तर: 'माँ' कहानी के लेखक का नाम **'ईश्वर पेटलीकर'** है। वे **गुजरात** के रहने वाले हैं।

3. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती है? विचार करें।

उत्तर: माँ मंगु को अस्पताल में इसलिए भर्ती कराना नहीं चाहती थी क्योंकि वह **अस्पताल की व्यवस्था से मन-ही-मन काँप रही थी।** वह लोगों को अस्पताल के लिए **गोशालाओं की उपमा** देती थी। माँ जी में आत्मविश्वास नहीं था कि अस्पताल में डॉक्टर और नर्स मंगु की ठीक से देखभाल करेंगे; उन्हें लगता था कि वे सब केवल अपना **कोरम पूरा करेंगे**. मंगु बिस्तर पर पखाना-पेशाब कर देती थी और खिलाने पर ही खाती थी। माँ जी के मन में इसी तरह के विभिन्न प्रश्न उठा करते थे कि बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और बिस्तर बदलेगा। इन्हीं कारणों से वह मंगु को अस्पताल में भर्ती कराना नहीं चाहती थी।

4. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें। [2011A, 2013A, 2020AI]

उत्तर: जब **कुसुम** के पागलपन में सुधार देखकर वह अस्पताल से इलाज होने के बाद ठीक हो गई, तो मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया यह हुई कि उन्हें **आशा** जगी. उन्हें लगा कि जब कुसुम ठीक हो गई है, तो **मंगु भी अवश्य ही ठीक हो जाएगी।** लोगों के बहुत कहने-सुनने के बाद ही माँ मंगु को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए तैयार हुई।

5. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें। [2014AII, 2024AII]

उत्तर: मंगु जन्म से **पागल और गूँगी** लड़की थी।

- **माँ का व्यवहार :** माँ के लिए कोई कैसी भी संतान हो उसकी **वात्सल्यता फूट ही पड़ती है**। ममता की प्रतिमूर्ति माँ स्वयं अपने सुख को भूलकर पुत्री के लिए **समर्पित हो जाती है**. उसकी नींद उड़ गई है, और वह रात-दिन अपनी असहाय बच्ची के लिए सोचती रहती है। माँ **अस्पताल को गोशाला समझती थीं** और बराबर मंगु को पागलखाना में भर्ती कराने का **विरोध करती रहती थीं**।
- **परिवार के अन्य सदस्यों का व्यवहार :** मंगु के अलावा माँ के लिए **तीन संतानें** थीं। माँ का समग्र मातृत्व मंगु पर निछावर हो गया है, जिससे अन्य संतानें (बेटे, बहुएँ और पुत्री) माँ के व्यवहार से **अनमने-सा दुखी रहते हैं**। परिवार के अन्य सदस्य मंगु को **पागलखाना में भर्ती कराकर निश्चित हो जाना चाहते हैं**।

6. 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम लिखें। [2024AII]

उत्तर: 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम हैं:

1. **माँ**
2. **मंगु**
3. **कुसुम**

वर्ग 10वीं हिन्दी, वर्णिका भाग 2

अध्याय 3. 'माँ' कहानी के प्रश्नोत्तर (आसान भाषा में)

1. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फ़र्क है उसे अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर : मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में बहुत बड़ा अंतर था।

- **माँ का व्यवहार:** माँ मंगु से **असीम प्रेम** करती थी।वह उसे **जन्म से पागल और गूँगी** होने के बावजूद **पालती-पोसती और सेवा** करती थी। माँ मानती थी कि **एक माँ ही इस तरह की पुत्री को पाल सकती है**। वह अपनी बेटी के लिए अपना **सुख-चैन त्याग** देती थी।
- **अन्य सदस्यों का व्यवहार:** घर की **बहुएँ** माँ के इस व्यवहार से **कसमसाती** थीं और शिकायत करती थीं। मंगु की **पुत्री** भी माँ को सीधे सुना देती थी कि वह **झूठा लाड़** करके मंगु को और ज्यादा पागल बना रही हैं। परिवार के **सभी सदस्य** चाहते थे कि मंगु को **अस्पताल में भर्ती करा दिया जाए** ताकि वे निश्चित हो सकें।

2. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती ? विचार करें।

उत्तर: माँ मंगु को अस्पताल में भर्ती नहीं कराना चाहती थीं क्योंकि उन्हें **अस्पताल की व्यवस्था पर बिल्कुल भरोसा नहीं था**।

- वह कहती थीं, **"मैं माँ होकर सेवा नहीं कर सकती, तो अस्पताल वालों को क्या पड़ी है?"**
- वह अस्पताल को **अपंग जानवरों की गौशाला** जैसा मानती थीं।
- उन्हें डर था कि मंगु **खाएगी नहीं** क्योंकि वह **खिलाने पर ही खाती** थी।
- माँ को यह भी डर था कि मंगु **बिस्तर पर टट्टी-पेशाब कर देगी**, और वहाँ **कोई उसके कपड़े या बिस्तर नहीं बदलेगा**, जिससे उसे **ठंड लग जाएगी या बीमारी हो जाएगी**।

3. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर: गाँव की एक लड़की **कुसुम** अस्पताल से इलाज कराकर जब **ठीक होकर वापस आई,** तो मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया बदल गई।

- **समाज और परिवार:** कुसुम को ठीक देखकर **हर व्यक्ति माँ को सलाह देने लगा** कि **"माँ जी! मंगु को एक बार अस्पताल में भर्ती करके तो देखें। वह जरूर अच्छी हो जाएगी।"**
- **माँ की प्रतिक्रिया:** लोगों की सलाह और कुसुम के ठीक होने की घटना से माँ के मन में **आशा जाग उठी**। उन्हें लगा कि शायद **अगहन (अगहन) का महीना** मंगु के लिए **शुभ** हो और वह ठीक हो जाए। इसी उम्मीद से माँ ने मंगु को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला किया।

4. कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

उत्तर: कहानी का शीर्षक **'माँ'** पूरी तरह से **सार्थक** है।

- पूरी कहानी का केंद्र बिंदु **एक माँ का अपनी बीमार संतान के प्रति प्रेम और त्याग** है।
- कहानी में माँ के **संघर्ष, उसकी चिंताएँ और मंगु के प्रति उसका अटूट स्नेह** दिखाया गया है।
- कहानी का अंत भी माँ के **मातृत्व की चरम सीमा** को दर्शाता है, जब वह मंगु को अस्पताल में छोड़ने के बाद **खुद भी पागल** हो जाती है और **मंगु की श्रेणी में मिल जाती है**।
- चूँकि यह कहानी केवल माँ के बलिदान और वात्सल्य को समर्पित है, इसलिए **'माँ'** शीर्षक **सर्वश्रेष्ठ** है।

5. मंगु जिस अस्पताल में भर्ती की जाती है, उस अस्पताल के कर्मचारी व्यवहारकुशल हैं या संवेदनशील ? विचार करें।

उत्तर: मंगु जिस अस्पताल में भर्ती की जाती है, उसके कर्मचारी **व्यवहारकुशल (प्रशिक्षित) और संवेदनशील (दयालु)** दोनों थे।

- **संवेदनशीलता/दयालुता:** माँ जी ने देखा कि परिचारिकाएँ **पागल मरीजों को बिना गुस्सा किए** संभाल रही थीं। एक नर्स ने माँ को **आश्वासन** दिया कि **वह मंगु को मुँह में कौर डाल-डालकर खिलाएगी**. मेट्रन ने भी माँ से कहा, "**आज तक आप इसकी माँ थीं, आज से मैं इसकी नई माँ हुई हूँ**"। यह सब उनकी **संवेदनशीलता** दिखाता है।
- **व्यवहारकुशलता/प्रशिक्षण:** कर्मचारियों को पता था कि **रात में कई बार मरीजों की जाँच की जाती है** और **उपद्रवी मरीजों** को अलग तरह से नियंत्रित किया जाता है। इससे उनकी **व्यवहारकुशलता** पता चलती है।

6. कहानी का सारांश प्रस्तुत करें।

उत्तर: 'माँ' कहानी **ईश्वर पेटलीकर** द्वारा लिखी गई है, जिसमें एक **माँ और उसकी जन्म से पागल और गूँगी पुत्री मंगु** के रिश्ते की मार्मिक कहानी है।

माँ अपनी पुत्री मंगु से बहुत स्नेह करती है और उसे **अस्पताल में भर्ती कराने का कड़ा विरोध** करती है। वह घर पर ही उसकी **सेवा-टहल** करती है. जब गाँव की एक लड़की **कुसुम** अस्पताल में इलाज के बाद **ठीक हो जाती है**, तो माँ के मन में आशा जगती है और वह **भारी मन से मंगु को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला** करती है।

अस्पताल में नर्सें मंगु के प्रति **अच्छा व्यवहार** करती हैं, जिससे माँ को थोड़ी शांति मिलती है. मंगु को अस्पताल में छोड़कर माँ घर लौटती है, पर रात भर उसे **नींद नहीं आती** और वह **सिसकियाँ** भरती रहती है. वह लगातार मंगु के बारे में सोचती है. सुबह होते ही माँ अचानक **चीख मारती हुई उठती है, "दौड़ो रे दौड़ो! मेरी मंगु को मार डाला रे..!"**. पड़ोसी दौड़कर आते हैं और देखते हैं कि **माँ जी भी मंगु की श्रेणी में मिल गई थीं** (यानी पागल हो गई थीं). यह कहानी **मातृत्व के सर्वोच्च बलिदान** को दर्शाती है.